10. गूगल मेल एकाऊन्ट

एलम्नाइ एसोसिएशन ने ऑनलाइन एलम्नाइ ई–मेल सुविधा का उन्नयन किया है और अपने स्थायी सदस्यों को एक स्थाई ई–मेल आईडी username@iitkalumni-org उपलब्ध कराया है।

दुनिया भर में एलम्नाइ नेटवर्क बढ़ाने के उद्देश्य से एलम्नाइ एसोसिएशन ने अपने सदस्यों को नई ई–मेल आईडी उपलब्ध कराई है। यह आईडी जीमेल की तरह है। वर्तमान में गूगल एकाऊन्ट के यूजर की संख्या 19,500 से अधिक है जिसमें लगभग 99: सक्रिय यूजर हैं। एलम्नाइ एसोसिएशन ने गूगल के साथ एक समझौता किया है ताकि username/iitkalumni-org की पहचान एक वैध जीमेल एडरैस के रूप में की जा सके। गूगल न केवल ई–मेल आईडी उपलब्ध कराएगा बल्कि मुफ्त में अन्य से सेवाएँ भी उपलब्ध कराएगा। इन सुविधाओं में ड्राइव, मोबाइल, टाल्क/हैंगआउट्स, 2–स्टेप वेरीफिकेशन तथा गूगल़ जैसी सुविधाएं शामिल रहेंगी।

11. वाइसेस

एलम्नाइ एसोसिएशन अपने नवीनतम ई–मैगजीन, वाइसेस एवं न्यूजलैटर को पाठक के लिए प्रस्तुत करते हुए खुशी महसूस कर रहा है। आप इन्हें एलम्नाइ एसोसिएशन की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक पर देख सकते हैं–

http://www-iitkalumni-org/News_letter_File_/Newsletter_2014_III/index-html rFkk
http://www-iitkalumni-org/EMagazine/8pdf_letter_File_/Newsletter_2014_III/index-html

केन्द्रीय सुविधाएँ
पी.के. केलकर पुस्तकालय

पी के केलकर पुस्तकालय के लिए गत वर्ष बहुत ही परिवर्तनशील रहा है । ढाँचागत परिवर्तन के साथ–साथ प्रशासकीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण बदलाव किये गये । ये सभी परिवर्तन पिछले काफी दिनों से लंबित चल रहे थे । पी के केलकर पुस्तकालय के अन्दर सभी स्थलों पर गीष्मकाल के दौरान आंशिक रूप से प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई क्योंकि इस दौरान सभी तलों के प्रसाधनों एवं टाप फ्लोर की क्षतिग्रस्त छत के रखरखाव का कार्य सम्पन्न किया गया । पुस्तकालय के तहखाने में एक विशिष्ट काम्पेक्टर लगाया गया जिसके अन्दर ऐसी पुस्तकों को स्थानांतरित किया गया है जो यदा–कदा जारी की जाती हैं या फिर इनका बहुत कम प्रयोग किया जाता है । समस्त प्रकाश व्यवस्था को एलईडी बल्ब लगा कर आनुधिक बना दिया गया है । मोशन सेन्सर एवं डिह्यूमिडिफायर्स भी लगा दिये गये हैं । शीघ्र ही संपूर्ण पुस्तकालय इस सुविधा से लैस कर दिया जाएगा । पी के केलकर पुस्तकालय ने वर्ष 2015 के दौरान सभी पत्र–पत्रिकाएं आनलाइन ही खरीदी बर्शेते ये सभी पत्र–पत्रिकाएं डिजिटल फार्म में उपलब्ध रही हो । इस सुविधा से पत्र पत्रिकाओं के भण्डारण, रखरखाव एवं उनकी बाइडिंग के कार्य का भार कम हुआ है जिसके फलस्वरूप निकट भविष्य में जगह का अभाव भी कम होगा । ऐकडमिक सीनेट द्वारा अनुमोदित विजन पत्र लागू किये जाने के अंतिम चरण में है । इस विजन पत्र के लागू होने से पी के केलकर पुस्तकालय एक प्रभावी एवं आधुनिक ज्ञान के केन्द्र के रूप में विकसित हो जाएगा।

पी के केलकर पुस्तकालय संस्थान के अभिलेखागार इकाई के प्रचालन का कार्य भी देखता है। पी के केलकर पुस्तकालय को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । प्रत्येक खंड के प्रभारी एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष हैं । पुस्तक प्रकिया यूनिट, परिचालन एवं रखरखाव यूनिट एवं ऑनलाइन रिसोर्स एण्ड सर्विस यूनिट सभी नव–निर्मित इकाईयाँ हैं । ये सभी इकाईयाँ पुस्तकालय सेवा के प्रति उत्तरदायी हैं । पूर्व में इन सभी इकाईयों को व्यक्ति विशेष द्वारा संचालित किया जाता था । पुस्तकालय के अन्दर किये गये इस फेरबदल ने अब इसके कर्मचारियों एवं अधिकारियों को और अधिक उत्तरदायी बना दिया है। इस अवधि के दौरान एक सहायक पुस्तकाल्याक्षय तथा एक वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक की भर्ती की गई है ।

पुस्तकालय के अन्दर स्थित विभिन्न इकाईयों द्वारा निष्पादित किये गये कार्यों का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

परिचालन एवं रख–रखाव इकाई

पुस्तकालय में उपलब्ध समस्त पुस्तकों एवं अन्य वस्तुओं का काफी समय से लंबित चल रहे फिजिकल स्टॉक वेरिफिकेशन का कार्य जून 2015 से प्रारंभ होकर सितम्बर 2015 में सम्पन्न हुआ। पिछली बार फिजिकल स्टॉक वेरिफिकेशन का कार्य वर्ष 1990 मे सम्पन्न हुआ था । इसके पश्चात उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर प्रति वर्ष आकस्मिक रूप से फिजिकल स्टाक वेरिफिकेशन का कार्य होता रहा है तथा इस प्रक्रिया के फलस्वरूप कई अनुपयोगी एवं फटी हुई (लगभग 2800) पुस्तकों को राइट आफ करने के लिए पुस्तकालय के रिकार्ड्स से अलग किया गया। इन पुस्तकों का अभी तक कुछ भी पता नहीं चला है। गायब हुई पुस्तकों के कारण पी के केलकर पुस्तकालय को हुए वास्तविक नुकसान का पता लगाने के लिए इस वर्ष भी फिजिकल स्टाक वेरिफिकेशन का कार्य सम्पन्न कराया गया ।

सीनेट लाइब्रेरी कमेटी ने कुछ पत्र एवं पत्रिकाओं की छटनी करने हेतु अपना अनुमोदन प्रदान कर दिया है। हटाई गई अपयुक्त सामग्री की सूची अधो लिखित यूआरएल पर दर्शायी गई है।
http://172.28.64.14/intranet/abstracts_weedout.pdf

सीनेट लाइब्रेरी कमेटी ने कुछ पत्र एवं पत्रिकाओं की छटनी करने हेतु अपना अनुमोदन प्रदान कर दिया है। हटाई गई अपयुक्त सामग्री की सूची अधो लिखित यूआरएल पर दर्शायी गई है। इन पत्र पत्रिकाओं की छटाई से पुस्कालय में बहुत सी जगह एवं रैक खाली हो जाएगें । कैंपस स्कूल तथा अन्य विभागों को कई रैक उपहार के रूप में प्रदान की गई हैं। बाकी रैक को उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए डिस्पोज्ड ऑफ कर दिया गया है । इस दौरान पुस्तकालय द्वारा इस प्रक्रिया का पालन करते हुए कुछ डुप्लीकेट पत्र–पत्रिकाओं एवं रिपोर्टस की भी छटाई कर दी गई है । पुस्तकालय ने इस वर्ष रद्दी की बिक्री से 60000 हजार रूपये अर्जित किये हैं।

सर्कुलेशन से संबंधित डेटा नीचे दिया जा रहा हैः पुस्तकों के चौकआटउ की संख्या 39170, पुस्तकों के चौकइन की संख्या 39701 (217 ट्रांजेक्शन प्रतिदिन) इस अवधि के दौरान कुल 78871ट्रांजेक्शन हुए । इसके अतिरिक्त 37537 उपभोक्ताओं द्वारा पुस्तकों का नवीनीकरण भी कराया गया । इस दौरान कुल 09 पुस्तकों के खोये जाने की सूचना है जिनके नुकसान की भरपाई के लिए संबंधित उपभोक्ताओं से 31,411.00 रूपये वसूले गये ।

बुक प्रोसेसिंग यूनिट

इस अवधि के दौरान पुस्तकालय द्वारा 979 पुस्तकों की खरीद की गई जिनकी कुल लागत 63,08,716 रूपये थी । इस वर्ष खरीदी गई पुस्तकों की संख्या गतवर्ष खरीदी गई पुस्तकों की संख्या से कम है। हम संकाय सदस्यों की इस बात के लिए प्रशंसा करते हैं तथा उन्हें धन्यवाद देते हैं कि कि उन्होंने केवल उन्हीं पुस्तकों को खरीदने की सिफारिश की है जिनका बृहद स्तर प्रयोग किया जा रहा है ।

पुस्तकालय द्वारा दान के रूप में 129 पुस्तकें तथा 11 वार्षिक प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं । हमने ऐसे दान–दाताओं एवं लेखकों को प्रशंसा पत्र एवं धन्यवाद पत्र भेजे हैं जिन्होंने हमें मानार्थ प्रतियाँ भेजी हैं ।

विभिन्न विभागों द्वारा खरीदी गई पुस्तकों की सूची इस प्रकार से है।

विभाग	पुस्तकों की संख्या (रु979)
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	52
जैवविज्ञान एवंजैविकअभियांत्रिकी	37
रासायनिकअभियांत्रिकी	98
रसायन	63
सिविलअभियांत्रिकी	73
संगणकविज्ञान एवंअभियांत्रिकी	41
पृथ्वीविज्ञान	82
विद्युतअभियांत्रिकी	91
जेनेरेलिया	2
मानविकी एवंसामाजिकविज्ञान	90
औद्योगिक एवंप्रबंधनअभियांत्रिकी	70
सेन्टरफारलेजर एण्ड फोटोनिक्स	13
पुस्तकालयधडिक्सशनरी	22
डिजाइनप्रोग्राम	10
पदार्थविज्ञान	6
पदार्थविज्ञान एनंअभियांत्रिकी	25
गणित एवंसाँख्यिकी	69
यांत्रिक अभियांत्रिकी	55
भौतिकीविभाग	69
पर्यावरणअभियांत्रिकी एवंप्रबंधन	6
नाभकीय अभियांत्रिकी एवंप्रौद्योगिकी	5

पुस्तकालय में आने वाली समस्त नई पुस्तकों की जानकारी ई–मेल लिंक के माध्यम से सभी उपभोक्ताओं को प्रेषित की जाती है।

ऑनलाइन रिसोर्स एण्ड सर्विस (पीरियाडिकल्स सेक्शन)

वित्तीय वर्ष 2015–2016 के दौरान बाइन्डिंग एवं अन्य संसाधनों सहित पीरियाडिकल्स व्यय 13,06,25,577 रूपये था । पुस्तकालय ने 1646 पीरियाडिकल्स एवं 22 डेटाबेस खरीदे हैं । पुस्तकालय ने ई रिसोर्स को प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित रखा है। पुस्तकालय ने वित्तीय वर्ष 2015–2016 के दौरान 1871 क्षतिग्रस्त पुस्तकों को बाइन्ड कराने का कार्य भी किया है।

खरीदे गये नये डेटाबेस

इंडियन स्टैन्डर्डस (सिविल इंजीनियरिंग) सीई
इंडियन स्टैन्डर्डस (वाटर रिसोर्स) सीई
ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडियन टाइम सीरिज (आई एम ई)
इदुनिरवना (आई एम ई)

INDEST&AICTE

वर्ष 2015 के दौरान INDEST&AICTE कंसोर्टियम द्वारा कई बजट कट प्राप्त किये और यह बजट संस्थान के खाता में हस्तानंतरित किये गये जिसके फलस्वरूप कई डेटाबेस एवं ऑनलाइन जर्नल्स, जिनको हमनें कर्सोटियम के माध्यम से प्राप्त किया है, को बंद कर दिया गया है। सीनेट पुस्तकालय समिति द्वारा एक मत से निर्णय लिया गया कि पुस्तकालय के मौजूदा समस्त संसाधनों की यथा–स्थिति को बरकरार रखा जाए। इसलिए INDEST द्वारा उपलब्ध कराये गये समस्त डेटाबेस को अब संस्थान की मदद से खरीदा जा रहा है।

eShodh Sindhu (eSS) कंसोर्टियम के माध्यम से प्राप्ति

eShodh पदकीन का महत्वपूर्ण सदस्य होने के कारण पी के केलकर पुस्तकालय को विभिन्न प्रकाशकोंध एग्रीगेटर्स से विविध विद्याओं में 9,000 से ज्यादा रिव्विड जर्नल्स, बिब्लीआग्राफी, साइटेशन एवं अन्य फेक्चूअल डेटाबेस की ऑनलाइन प्राप्ति हुई है।

निम्नलिखित ई–डेटाबेस/ई–रिसोर्स को भी प्राप्त किया जा सकता है।

1. ए सी एम डिजिटल लाइब्रेरी
2. ऐन्यूअल रिव्यू
3.एएससीई जर्नल्स ऑनलाइन
4. एएसएमई जर्नल्स ऑनलाइन
5.एएसटीएम स्टैण्डर्डस् डिजिटल लाइब्रेरी
6.कैपिटालाइन
7. सीआरआईएस–आईएनएफएसी इण्डस्ट्रियल इनफार्मेशन
8. इकनामिक्स एण्ड पॉलीटिकल विकली
9. इमरेल्ड(298 टाइटल)
10. यूरोमानीटर – पासपोर्ट
11. आईईईई/आईईटी इलेक्ट्रानिक्स लाइब्रेरी (आईईएल) ऑनलाइन
12.इस्टीट्यूट फार स्टेडीज इन इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी) डेटाबेस
13. जेगेट प्लस (जेसीसीसी)
14.जेएसटीओआर
15. मैथ साइंसनेट
16. नेचर
17.आप्टिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका (आप्टिकस इफोबेस)
18. आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
19.प्रोजेक्ट माउस
20. प्रोक्वेस्ट–एबीआईध्इंफार्म कंपलीट
21.साइंस डायरेक्ट (केवल सीएफटीआईएस के लिए कन्टेन्ट फी)
22. साइंस फाइन्डर स्कालर
23. एसआईएएम
24. वेब आफ साइंस

इस प्रकार से पी के केलकर पुस्तकालय ने लगभग 1.30 करोड़ रूपये बचाए क्योंकि उपर्युक्त समस्त रिसोर्स को ईएसएस के माध्यम से उपलब्ध कराया गया ।

लाइब्रेरी वेबसाइट

लाइब्रेरी की वेबसाइट (http://pkklib.iitk.ac.पद) को जुमला नाम के ओपन सोर्स कन्टेन्ट मैनेजमैंट सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके पुनः अभिकल्पित एवं विकसित किया गया है। यह वेबसाइट उपभोक्ताओं को बेहतर सर्च आप्शन, इजीयर नेविगेशन एवं नवीनतम विषय वस्तु उपलब्ध करा रही है ।

आटोमेशन एण्ड नेटवर्किंग

स्पइेले का प्रयोग करके पी के केलकर पुस्तकालय पूर्णरूप से स्वचालित हो गई है । पुस्तकालय आटोमेशन के लिए 'ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर' को ग्रहण करने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। लाइब्रेरी के वर्कफलो एवं वेबओपेक का नया संस्करण शीघ्र ही उपलब्ध करा दिया जाएगा।

इंटर लाइब्रेरी लोन

पुस्तकालय की यह इकाई रिफरेंश एण्ड इंटर लाइब्रेरी लोन की सुविधा उपलब्ध कराती है । इस अवधि के दौरान आई आई टी कानपुर के उपभोक्ताओं के लिए 20 डाक्यूमेंट्स रिक्वेस्ट को पूरा किया गया जबकि 50 डाक्यूमेंट अन्य पुस्तकालयों को भेजे गये।

संगणक केन्द्र

भा.प्रौ.सं.कानपुर में स्थित संगणक केन्द्र केन्द्रीय सुविधा के रूप में संस्थान के संकाय–सदस्यों, स्टॉफ एवं छात्रों की कम्प्यूटर से संबंधित आवश्यकताओं की पूर्ती करता है। संगणक केन्द्र ई–मेल एवं वेब एक्सेस जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराता है। वर्तमान में लगभग 10000 प्रयोक्ता संगणक केन्द्र द्वारा दी जाने वाली सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। संस्थान में लोकल एरिया नेटवर्क काम कर रहा है जिसके लिए 20,000 से अधिक नोड़ प्रयोग में लाए जा रहे हैं। संस्थान के सभी छात्रावास के कमरे, कार्यालय तथा आवासीय परिसर वायर सहित व वायर रहित नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। संस्थान में अलग–अलग नेटवर्क सेवाओं के माध्यम से 3जीबीपीएस इंटरनेट कनेक्टीविटी है। संगणक केन्द्र में हाल के वर्षों में कम्प्यूटिंग, मेल, नेटवर्क, इंटरनेट, पीसी लैब तथा समग्र अवसंरचनात्मक सुविधाएं उन्नत की गई हैं। संगणक केन्द्र का डाटा सेन्टर चौबीस घंटे चालू रहता है। यह डाटा सेन्टर अलग–अलग जोन्स में विभाजित है जिसमें कम्प्यूट एवं अन्य सर्वर, विभिन्न परियोजनाओं के लिए समांतर कलस्टर, ऑफिस ऑटोमेशन सर्विस, सॉफ्ट स्विच आधारित टेलीफोन सर्विस एवं नेटवर्क सर्विस उपलब्ध है। संगणक केन्द्र में दो हाई परफारमेंश कम्प्यूटिंग सैटअप हैं जिसे नवम्बर 2010 तथा जून 2013 में प्रकाशित सूची के अनुसार शीर्षस्थ 500 सैटअप में क्रमशः 369 व 130 स्थान प्राप्त हुए है। दूसरे कल्स्टर में अतिरिक्त नोड जुड़ जाने से जून 2014 की सूची के 500 सैटअप में इसे 118वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। इन सैटअप में एकसाथ 1373 नोड हैं। संगणक केन्द में स्थित प्रयोगशालों में 400 से अधिक कम्प्यूटर हैं। इन प्रयोगशालाओं तथा कम्प्यूटर संबंधी अवसंरचना में सामान्य तथा सिम्यूलेशन, मॉडलिंग, डाटा प्रबंधन एवं प्रोसैसिंग, सीएडी/सीएएम, कम्प्यूटर ग्राफिक, वर्ड प्रोसैसिंग आदि के क्षेत्र में विशिष्ट एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध है। वर्ष 2015–16 में संगणक केन्द्र के क्रिया–कलापों की सूची नीचे दी जाती है:

- ⌘ प्राइमरी एवं सेकेण्डरी इंटरनेट लिंक का 1जीबीपीएस(1:2) से उन्नयन।
- ⌘ एनआईएस के एलडीएपी में परिवर्तन के साथ एलडीएपी पर आधारित सत्यापन सुविधा की शुरुआत की गई।
- ⌘ वर्ष 2010 में खरीदी गई एचपीसी मशीन को आधुनिकतम ऑपरेटिंग सिस्टम में परिवर्तित करके

उसका उन्नयन किया गया तथा लस्चर फाइल सिस्टम का उन्नयन किया गया।

- ⌘ वर्ष 2010 एवं 2013 में खरीदी गई मशीनों के इनफिनीबैंड नेटवर्क का पुनर्निर्माण किया गया।
- ⌘ एचपीसी मशीन के शेड्यूलर एवं विभिन्न सॉफ्टवेयरों का उन्नयन किया गया।
- ⌘ सर्वर के विभिन्न सॉफ्टवेयरों का उन्नयन किया गया।
- ⌘ मुख्य डाटा सेन्टर में ड्यूल कूलिंग सर्किट की सुविधा बढ़ाई गई है तथा उसके परिचालन एवं रख–रखाव में सुधार किया गया है।
- ⌘ वर्चुअल मशीन की सुविधा आरंभ की गई है।
- ⌘ *iitk-ac-in डोमेन नामों पर आधारित सर्टिफिकेट डिप्लायमेंट किया गया है।
- ⌘ वेब के माध्यम से पासवर्ड में परिवर्तन करने की सुविधा दी गई है।
- ⌘ अतिथि गृह तथा प्रेक्षागृह में एसएमएस के माध्यम से अतिथि की पहचान के लिए वाईफाई शुरु किया गया है।
- ⌘ हॉल–12 में एलएएन उपलब्ध कराया गया है तथा नये एलएचसी, व्याख्यान कक्ष–18,19,20 में एलएएन के साथ–साथ वाईफाई की सुविधा मुहैया कराई गई है।
- ⌘ नोएडा स्थित अतिथि गृह को वाईफाई एवं टेलीफोनी से सुसज्जित किया गया है।
- ⌘ सभी छात्रावासों के नेटवर्क स्विचों को यूपीएस पर रखा गया है।
- ⌘ राऊन्ड क्यूब मेल क्लाइंट शुरु किया गया है।
- ⌘ आईआईटी कानपुर वेब सर्विस के लिए विकी शुरु किया गया है।
- ⌘ जूमला पर आधारित वेबसिट एवं बैक स्पोर्ट सेवा शुरु की गई है।

तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की स्थापना सन् 1971 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत हुई थी। अपनी स्थापना के बाद से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद देश में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। संस्थान के तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र का उद्देश्य भा.प्रौ.सं.कानपुर के तकनीकी ज्ञान के भंडार का प्रचार–प्रसार करना है। यह केन्द्र पाठ्यक्रम, शिक्षण सामग्री की तैयारी, सतत शिक्षा कार्यक्रम के संचालन तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकाय–सदस्यों को प्रशिक्षण देने से संबंधित कार्यों का समन्वयन करता है। यह कार्य करीकूलम डेवलपमेंट सैल, क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम तथा कंटीन्यिंग इजूकेशन सैल के माध्यम से किया जाता है।

वर्ष 2015–16 दौरान आयोजित किए गए विभिन्न क्रिया–कलापों का सार :

1. **क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (क्यूआईपी)**
   (I) दाखिल एम.टेक छात्रों की संख्याः 01
   (ii) दाखिल पीएच.डी छात्रों की संख्याः 01

2. **बुक–राइटिंग प्रोजेक्ट**
   (i) जारी बुक–राइटिंग प्रोजेक्टः 35
   (ii) स्वीकृत बुक–राइटिंग प्रोजेक्टः 02
   (iii) बुक–राइटिंग प्रोजेक्टः जो पूर्ण गये हैं 03

3. क्यूआईपी के तहत आयोजित किए गए अल्पकालीन पाठ्यक्रमः12
4. स्व–वित्त प्रबंधित अल्पकालीन पाठ्यक्रमः 28
5. कार्यशाला/ सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजनः 22

सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र

वर्ष 2015–16 के दौरान सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र द्वारा विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्रिया–कलापों का आयोजन किया गया। इस लिहाज से यह वर्ष सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र के लिए उत्साहजनक रहा है। परिसर वासियों के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन को गतिशीलता प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों को नागरिकों से संबंधित मौलिक विषयों पर अपने विचार रखने का अवसर मिला। चूँकि इस वर्ष केन्द्र के पास सीमित बजट था इसलिए कार्यक्रमों के लिए सीमित संख्या में वक्ताओं को आमंत्रित किया जा सका तथापि कार्यक्रमों का स्तर काफी संतोषजनक रहा।

वर्ष 2015–16 के दौरान सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची इस प्रकार हैः

1. "ए सैक्सी स्पेसः फिक्शनल रिप्रजेटेशन ऑफ एसैक्सालिएटी" विषय पर दिनांक 14 सितम्बर, 2015 को एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। अमेरिकन यूनिवर्सटी ऑफ शारजाह के डॉ जे फेदट्के ने इस अवसर पर अपना व्याख्यान दिया। व्याख्यान में वर्तमान में उपन्यास संबंधी अलैंगिकता विषय पर प्रकाश डाला गया। बड़ी संख्या में श्रोताओं ने इस व्याख्यान को सुना तथा संस्कृति के नाम पर उपन्यास या फिल्म में अलैंगिकता के मुद्दे पर गंभीर चिंतन किए जाने का आह्वान किया।
2. सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र द्वारा 21 से 22 सितम्बर, 2015 तक योग पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. दीपिका कोठारी एवं श्री रामजी ओम ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान दिए।

योग कार्यक्रम के पहले दिन " हिस्ट्री ऑफ योगा – द पाथ ऑफ माइ एंसेस्टर" फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म में भारतीय सभ्यता के 6000 वर्ष की कहानी का वर्णन किया गया तथा हडप्पा सभ्यता में योग तत्व एवं वेद, जैन धर्म, बौद्ध धर्म व सूफी पंथ के योग से जुड़ाव को चित्रण किया गया।

योग कार्यक्रम के दूसरे दिन श्री रामजी ओम के नेतृत्व में "योगा एंड इंडियन सिविलाइजेशनः इट्स कंटीन्यूटी एंड चेंजेस" विषय पर व्याख्यान– सह–चर्चा का आयोजन किया गया। कैम्पस वासियों तथा कानपुर शहर वासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान दोनों हिन्दी तथा अंगरेजी भाषा में चर्चा का संचालन किया गया। उक्त दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र आने वाले वर्षों में इस प्रकार के उपयोगी एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेगा।

कर्मचारी प्रशिक्षण इकाई

संस्थान कर्मचारी प्रशिक्षण इकाई आवश्यकता आधारित विश्लेषण, पूर्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के फीडबैक तथा विभागों/ अनुभागों के क्रमशः विभागाध्यक्ष एवं अनुभागा/यक्षों के सुझावानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूप–रेखा तैयार करती है। वर्ष 2015–16 के दौरान कर्मचारी प्रशिक्षण इकाई ने 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 4 औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

क्र.सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय	अवधि	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
01	व्यक्तित्व विकास	2 दिन	11.4.15 से 12.4.15	36
02	लिप्यंतर और आलेखन	2 दिन	13.4.15 से 14.4.15	06
03	कार्यालयीन पद्धति	1 दिन	9.5.2015	36
04	अनुस्थापन कार्यक्रम	1 दिन	23.7.2015	42
05	अभिलेख प्रबंधन	1 दिन	12.8.2015	44
06	भण्डार क्रय प्रबंधन	1 दिन	27.8.2015	38
07	कार्यस्थल में संरक्षा	2 दिन	08.9.15 से 09.9.15	46
08	मानवीय संबंध एवं अंतर्वैयक्तिक संबंध	1 दिन	29.9.2015	10
09	संवाद कौशल	2 दिन	06.10.15 से 07.10.15	29
10	उपकरणों का प्रबंधन	2 दिन	09.10.15 से 10.10.15	36
11	व्यावहारिक कौशल	2 दिन	30.10.15 से 31.10.15	29
12	कार्यस्थल में स्वार्थ प्रबंधन	2 दिन	12.01.16 से 13.01.16	16
13	तनाव एवं दबाव प्रबंधन	1 दिन	18.01.2016	22
14	एम.एस.ऑफिस	4 दिन	19.01.16 से 22.01.16	14
15	अनुस्थापन कार्यक्रम	1 दिन	27.1.2016	38
16	समूह कार्य एवं समूह निर्माण	2 दिन	29.01.16 से 30.01.16	26
17	आत्मविश्वास	1 दिन	04.02.2016	14

तकनीकी स्टाफ के औद्योगिक भ्रमण का विवरण

क्र.सं.	इंडस्ट्री/संगठन का नाम	भ्रमण की तारीख
01	सेल (इंडिया) लि. भाट, औरैय्या	8.9.2015
02	लोहिया स्टारलिंगर, कानपुर	10.10.2015
03	भेल, जगदीशपुर	31.10.2015
04	एलिन्को, कानपुर	30.01.2016

भा.प्रौ.सं.हैदराबाद तथा भा.प्रौ.सं.इंदौर के कुल 15 तकनीकी एवं अनुसचिवीय कर्मचारियों ने अभिलेख प्रबंधन, भंडार क्रय प्रबंधन एवं कार्यस्थल पर संरक्षा विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रस्तावित है कि अगले वित्तीय वर्ष 2016–17 में संस्थान के तकनीकी एवं अनुसचिवीय कर्मचारियों में संगठनात्मक कार्यसाधकता में वृद्धि करने तथा मानव पूँजी बनाए रखने के उद्देश्य से उन्हें एडवान्सड ट्रेनिंग संस्थान कानपुर, क्षेत्रीय श्रम संस्थान कानपुर एवं आईएसटीएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए भेजा जाएगा। नये कर्मचारियों के लिए कुछ कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कोष्ठ

प्रो. कमल पोद्दार (वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग) 01 जुलाई, 2015 से अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। श्री आर आर दोहरे, सहायक कुलसचिव, भर्ती अनुभाग प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी हैं। प्रकोष्ठ से संबंधित अधिक जानकारी के लिए प्रो. पोद्दार से दूरभाष नं. 259–7843ध्7293 तथा श्री आर आर दोहरे से दूरभाष नं 2597391 पर संपर्क किया जा सकता है।

आरक्षण आदेशों का क्रियान्वयन

संस्थान में सीधी भर्ती प्रक्रिया में अनु.जाति एवं अनु.जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के आरक्षण की व्यवस्था 5 सितम्बर, 1974 से लागू हुई थी। इसी प्रकार अन्य पिछड़ा वर्ग तथा शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के अभ्यर्थियों के आरक्षण की व्यवस्था क्रमशः 1995 एवं 1996 से लागू हुई थी।

रोस्टरों का रखरखाव/ आरक्षण का प्रतिशत

संस्थान के संचालक मंडल ने दिनांक 27 जुलाई, 1995 को आयोजित बैठक में सीधी भर्ती प्रक्रिया में ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'बी' [छूट–प्राप्त पदों को छोड़कर (अनु.जाति–20, अनु.जनजाति–9, अन्य पिछड़ा वर्ग–31 के पक्ष में आरक्षित प्वाइंट), के लिए 120 प्वाइंट वेकेन्सी बेस्ड रोस्टर तथा ग्रुप 'सी' एवं ग्रुप 'डी' (अनु.जाति–21, अनु.जनजाति–1, अन्य पिछड़ा वर्ग–27 के पक्ष में आरक्षित प्वाइंट) के लिए 100 प्वाइंट रोस्टर के रखरखाव का अनुमोदन किया था।

उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ के निर्णयानुसार सीधी भर्ती में कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के दिनांक 02 जुलाई, 1997 के कार्यालय ज्ञापन सं. 36012/2/96–स्था.(आरक्षण) द्वारा उपरोक्त वेकेन्सी बेस्ड रोस्टर को पोस्ट बेस्ड रोस्टर में संशोधित किया गया है। संचालक मंडल ने दिनांक 05 दिसम्बर, 1997 को आयोजित बैठक में विधिवत मंत्रणा के उपरांत पोस्ट बेस्ड रोस्टरों के रखरखाव के लिए अपनी सहमति दे दी थी।

इसके अलावा संचालक मंडल द्वारा (मई 2004 को आयोजित अपनी बैठक में मद सं. 2004.2.13 के अनुसार) आरक्षण के उद्देश्य से स्टाफ की ग्रुपिंग करने तथा तकनीकी एवं गैर–तकनीकी पदों के लिए अलग ग्रुप बनाने के प्रस्ताव पर विचार करके उसका अनुमोदन किया गया। ग्रुप ए, बी, सी, एवं डी के तहत तकनीकी एवं गैर–तकनीकी पदों के लिए अलग–अलग वर्ग बनाने का प्रस्ताव किया गया था। तथापि ग्रुप डी के तहत सिंगल ग्रुप बना रहेगा। इस वितरण के तहत कुल मिलाकर सात ग्रुप होंगे तथा ग्रुप के तहत प्रत्येक पद के लिए अनु.जाति/अनु. जनजाति/अपिव/शावि के अभ्यर्थियों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का यथासंभव प्रयास किया जाएगा। प्रस्ताव का अनुमोदन इस परिप्रेक्ष्य में किया गया था कि पदों के समूह बनाने से संस्थान में अनु.जाति/अनु. जनजाति/अपिव/शावि के अभ्यर्थियों को पर्याप्त अवसर मिलेगा।
वर्तमान में संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम (एम.ए.सी.पी.एस) लागू है।

विशेष सुविधा/छूट

(क) शैक्षिक रूप से योग्य संस्थान के नियमित कर्मचारियों पर सीधी भर्ती के लिए अधिकतम 50 वर्ष की आयु तक विचार किया जा सकता है। केन्द्रीय सरकार के नियमों के अनुसार अनु.जाति/अनु. जनजाति/अपिव/शावि के अभ्यर्थियों तथा भूतपूर्व सैनिकों को ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाती है।

(ख) अनु.जाति/अनु.जनजाति एवं शारीरिक विकलांग अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क तथा पंजीकरण शुल्क से पूर्णतया मुक्त रखा जाता है।

(ग) ग्रुप 'ए' के साक्षात्कार के लिए कानपुर से बाहर से आने वाले सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को एसी–II (राजधानी एक्सप्रेस सहित)/ शताब्दी एक्सप्रेस में चेयर कार तथा ग्रुप 'बी' के सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को एसी–III (राजधानी एक्सप्रेस सहित)/शताब्दी एक्सप्रेस में चेयर कार एवं ग्रुप 'सी' के सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को 2 क्लास स्लीपर में आने–जाने का यात्रा किराया दिया जाता है।

(घ) सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनिवार्य अनुभव योग्यता में छूट दी जा सकती है।

रोजगार अधिसूचना आदि

रिपोर्ट दिये जाने की अवधि में भर्ती अनुभाग द्वारा जारी किये गए विज्ञापन का विस्तृत विवरण अगले पृष्ठ पर दिया जाता है:

विज्ञापन संख्या	पदों का नाम	पे बैण्ड/ग्रेड पे	रिक्तियों की संख्या					कुल	प्रकाशन
			अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	अनारक्षित	शा.वि.		
1/2015	कुलसचिव	पीबी–4, जीपीः10000 रु.	–	–	–	1	–	1	रोजगार समाचार, विश्वविद्यालय समाचार, दी टेलीग्राफ (जॉब), दी इंडियन एक्सप्रेस दी फिनेंशियल एक्सप्रेस लोकसत्ता/जनसत्ता एवं टीओआई/एचटी शाइन (हिं–शाइन–(एचटी–जॉब सर्च/शाइनजॉब.कॉम पोर्टल), टाइम्स ऑफ इंडिया (एसेन्ट), दैनिक जागरण (नई दिल्ली/आईनैक्स/मिड डे मुम्बई), डेक्कन हेराल्ड, दी न्यू इंडियन एक्सप्रेस, दी हिन्दू
	हे.स्वास्थ्य केन्द्र		–	–	–	1	–	1	
	अधिशासी अभियंता	पीबी–3, जीपीः6600 रु.	–	–	1	1	–	2	
	चिकित्सा अधिकारी	पीबी–3, जीपीः5400 रु.	1		1	1		3	
	सहायक कुलसचिव				1	1		2	
	छात्र परामर्शदाता			1				1	
	प्राचार्य	पीबी–2, जीपीः4800 रु.	–	–	–	1	–	1	
	सहायक अभियंता	पीबी–2, जीपीः4600 रु.	–	–	–	1	–	1	
	तकनीकी अधीक्षक					1		1	
	सहायक सुरक्षा अधिकारी	पीबी 2, जीपीः4200 रु.				2		2	
	कनिष्ठ अभियंता		1	–	–	–	–	1	
	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक		2	3	21/	5	/	13	
	कनिष्ठ अधीक्षक		2	–	2	4	2/	10	
	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक		–	–	–	1	–	1	
	फिजियोथेरेपिस्ट		–	–	–	1	–	1	
	कनिष्ठ सहायक		4	–	4	7	–	15	
	कनिष्ठ सहायक (पुस्तकालय)		–	–	–	1	–	1	
	कनिष्ठ तकनीशियन		1	–	3	7	–	11	
			11	04	141/	36	2/	68	

अनु.जाति/अनु.जनजाति/अपिव एवं अल्पसंख्यक वर्ग के सदस्यों का समावेशन

अनु.जाति/अनु.जनजाति/अपिव वर्ग का एक सदस्य तथा अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थियों का चयनित सूची में स्थान पाने पर अल्पसंख्यक वर्ग के एक सदस्य को चयन समिति का पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है। रिपोर्ट दिये जाने की अवधि में चयन समिति की बैठकों का विस्तृत ब्यौरा नीचे दिया जाता हैः

चयन हेतु	कुल 33 बैठकों का आयोजन हुआ। चयन समिति की 06 बैठकों में अ.जा. एवं अ.पि.व. वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए चयन समिति की 08 बैठकों में अ.पि.व. वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए चयन समिति की 05 बैठकों में अ.जा. वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए चयन समिति की 02 बैठकों में अ.ज.जा. वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए चयन समिति की 06 बैठकों में अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए

साक्षात्कार के लिए आमंत्रण–पत्र/ नियुक्ति पत्र

1. साक्षात्कार के लिए आमंत्रण–पत्र/ नियुक्ति पत्र साधारण/पंजीकृत/स्पीड पोस्ट अथवा कोरियर के माध्यम से भेजे जाते हैं।
2. साक्षात्कार के लिए सामान्यतः तीन सप्ताह का समय तथा नियुक्ति के लिए एक महीने के समय अंतराल दिया जाता है।

क्वार्टर के लिए आरक्षण

1. संस्थान द्वारा टाइप 1ए, टाइप 1बी, टाइप 1 एवं टाइप 2 क्वार्टरों में से प्रत्येक दस क्वार्टर में पहला क्वार्टर अनु.जाति/अनु. जनजाति/अपिव वर्ग के कर्मचारी को आबंटित किया जाता है तथा टाइप 3 एवं टाइप 4 क्वार्टरों में से प्रत्येक बीस क्वार्टरों में पहला क्वार्टर अनु.जाति/अनु.जनजाति/अपिव वर्ग के स्टाफ को आबंटित किया जाता है। (संकाय सदस्यों से इतर अधिकारियों के लिए आरक्षित पूल से)

मकान आबंटन से संबंधित उपलब्ध आंकड़े नीचे दिये जाते हैं :

मकान के प्रकार	अनु.जाति/अनु.जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को आबंटित मकान			
	आरक्षण के नियमानुसार	वरिष्ठता के अनुसार	सामान्य	कुल
टाइप–1ए	–	–	–	–
टाइप–1बी	–	11	22	33
टाइप–1	–	11	33	44
टाइप–2	–	05	30	35
टाइप–3	–	–	15	15
टाइप–4	–	–	08	08
फैकल्टी अपार्टमेंट	–	–	01	01
टाइप–5	कोई आरक्षण नहीं	–	03	03

2. टाइप–5 के मकानों के आबंटन के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। (जैसा कि टाइप–5 के मकान बिना किसी भेद–भाव के संकाय–सदस्यों तथा अन्य पात्र अधिकारियों को आबंटित किये जाते हैं।

शिकायत

रिपोर्ट दिये जाने की अवधि में अनु.जाति/अनु.जनजाति/अपिव एवं शा.वि वर्ग के किसी भी कर्मचारी का शिकायत निवारण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

यदि अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के ध्यान में जाति से संबंधित जालसाजी का प्रकरण लाया जाता है तो उसका निराकरण किया जाता है।

उपर्युक्त आँकडों के अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रों में अनु.जाति/ अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व का विवरण नीचे दिया जाता हैः

क **शैक्षिक स्टाफ**

कार्य क्षेत्र	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /	सामान्य	कुल
नियुि	–	–	–	28	28
सेवानिवृि	–	–	–	11	11
मृत्यु	–	–	–	01	01
त्यागपत्र	–	–	–	03	03
सेवा समाप्ति	–	–	–	–	–
स्वैच्छिक सेवानिवृि	–	–	–	01	01
अनिवार्य सेवानिवृि	–	–	–	01	01
सेवानिवृि	–	–	–	–	–
बर्खास्तागी	–	–	–	–	–
कुल योग	–	–	–	45	45

(ख) **गैर–शैक्षिक स्टाफ**

कार्य क्षेत्र	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /	सामान्य	शावि	कुल
नियुि	18	03	32	30	03	86
सेवानिवृि	04	–	02	21	–	27
मृत्यु	–	–	–	02	–	02
त्यागपत्र	1	01	–	04	01	07
सेवा समाप्ति	–	–	–	–	–	–
स्वैच्छिक सेवानिवृि	–	–	–	–	–	–
अनिवार्य सेवानिवृि	–	–	–	–	–	–
बर्खास्तागी	–	–	–	–	–	–
एसवीआरएस	–	–	–	–	–	–
ष्तिनियुि से वापसी	–	–	–	–	–	–
कुल योग	23	04	34	57	04	122

वर्ष 2015–2016 के दौरान एम.ए.सी.पी.एस. तहत वित्तीय उन्नयन

क्र. सं.	ग्रेड पे		अ/ /	अ/ / /	अ/ / /	सामान्य	शावि	कुल
	से	तक						
1	8900	10000	1	–	–	1	–	2
2	8700	8900	–	–	–	–	–	–
3	7600	8700	–	–	–	–	–	–
4	6600	7600	–	–	–	–	–	–
5	5400	6600	–	–	–	–	–	–
6	4800	5400	–	–	–	–	–	–
7	4600	4800	1	–	–	–	–	1
8	4200	4600	3	–	4	6	–	13
9	2800	4200	–	–	–	2	–	2
10	2400	2800	–	–	–	–	–	–
11	2000	2800	1	–	2	5	–	8
12	1900	2400	–	–	–	1	–	1
13	1800	1900	1	–	1	–	–	2
कुल			7	–	7	15	–	29

ो ख .जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के ृतिनिधित्व का विवरण नीचे दिया जाता हैः

(क) **01.04.2016 को शैक्षिक स्टाफ (शिक्षणध गैर–शिक्षण) की संख्या**
अधिष्ठाता संकाय कार्य कार्यालय के माध्यम से भर्ती

ध	/ /	/ / /	/ / /	६	
ौक्षिक					
ध					

(ख) **01.04.2016 को गैर–शैक्षिक स्टाफ की संख्या**
भर्ती अनुभाग के माध्यम से भर्ती

ग्रुप	अ/ / :		अ/ / / :		अ/ / / :		सामान्य	कुल	चयन की विधि	
									संविदा	नियमित
ए	09	18.75	01	2.08	10	20.83	28	48	07	41
बी	64	22.53	12	4.22	46	16.19	162	284	46	238
सी	45	20.54	00	0.00	55	25.11	119	219	124	95
डी	30	37.97	00	0.00	08	10.12	41	79	–	79
कुल	148	23.52	13	2.06	119	18.91	349	629	177	452

(ग) **01.04.2016 को एकाउन्ट 2 के कर्मचारियों की संख्या**
अधिष्ठाता अनुसंधान एवं विकास कार्यालय के माध्यम से भर्ती

ग्रुप	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /	सामान्य	कुल
बी	01	–	01	18	20
सी	–	–	–	–	–
डी	02	–	02	05	09
कुल	03	–	03	23	29

(घ) **01.04.2016 को गैर–शैक्षिक स्टाफ तथा शावि वर्ग के कर्मचारियों की संख्या**

क्र.सं.	पदों का वर्गीकरण	स्वीकृत संख्या	पदों पर व्यक्तियों की संख्या	1996 से भरी गई रिक्तियों की संख्या	शावि वर्ग के कर्मचारियों की संख्या			क्या शावि वर्ग के व्यक्तियों के लिए पृथक 100 प्वाइंट रोस्टर बनाया जा रहा है	करेंट साइकिल एवं करेंट 100 प्वाइंट रोस्टर के प्वाइंट की संख्या
1	2	3	4	5	6			7	8
					ओ एच	वी एच	एच एच		
1	ग्रुप/ क्लास I	6520 छात्रों की संख्या के अनुसार 717	48	81	01	00	00	हाँ	साइकिल–1, प्वाइंट 81 तक
2	ग्रुप ch/ क्लास II		284	278	07	00	00	हाँ	साइकिल–3, प्वाइंट 78 तक
3	ग्रुप lh/ क्लास III		219	347	10	00	02	हाँ	साइकिल–4, प्वाइंट 47 तक
4	ग्रुप Mh/ क्लास IV		79	24	00	00	00	हाँ	साइकिल–1, प्वाइंट 24 तक

.04.2016 को मैस कर्मचारियों की संख्या
काऊन्सिल ऑफ वार्डन के माध्यम से भर्ती

	/ /	/ / /	/प/ /	६	
.					

ब रद्द रद्द इ .

.टेक	/ /	/ / /	/ / /
ो			
ो			
ो			
ो			
ो			
ोो			
ो			
ो			

बीएस	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /
रसायन	4	1	8
गणित	8	5	13
अर्थशास्त्र	6	3	10
भौतिकी	4	2	6
कुल	22	11	37

एमएससी (2 वर्ष)	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /
रसायन	6	3	12
गणित	5	3	11
सांख्यिकी	7	1	15
भौतिकी	5	3	9
कुल	23	10	47

एमएससी–पीएचडी दोहरी उपाधि)	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /
भौतिकी	0	0	1
कुल	0	0	1

शैक्षिक वर्ष 2015–16 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या

एमटेक/एमबीए /एमडेस छात्र	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /
एई	2	0	16
सीएचई	1	1	6
सीई	5	2	7
ईई	6	1	14
एमई	5	4	12
एमएसई	0	0	5
सीएसई	3	0	6
एमएसपी	2	0	7
आईएमई	0	0	4
एमबीए	0	0	2
एनईटी	1	1	0
पीएसई	0	0	2
ईईएम	0	0	2
बीएसबीई	0	0	1
ईएस	0	0	1
डीईएस	4	0	4
कुल	32	9	89

पीएच.डी छात्र	अ/ /	अ/ / /	अ/ / /
एई	1	0	5
सीएचई	2	0	1
सीई	2	1	1
ईई	1	0	3
एमई	2	0	3
एमएसई	1	0	2
सीएचएम	1	0	10
मेथस	1	0	2
फिजिक्स	1	0	3
फिजिक्स दोहरी उपाधि	1	0	1
एचएसएस	0	0	1
सीएसई	0	0	0
एमएसपी	0	0	1
आईएमई	0	0	0
एनईटी	0	0	1
पीएसई	0	0	0
बीएसबीई	1	0	5
ईएस	2	0	0
डीईएस	1	0	0
कुल	17	1	39

राजभाषा प्रकोष्ठ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसमें देश भर के विद्यार्थियों को विज्ञान, अभियांत्रिकी, तकनीकी और सामाजिक तथा मानविकी विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान की जाती है। यहाँ शिक्षण/पाठ्यक्रम और अनुसंधान तथा शैक्षणिक गतिविधियाँ अंग्रेजी भाषा के माध्यम से सम्पन्न की जाती हैं।

संस्थान में राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना सन 1986 में की गई थी। प्रकोष्ठ का अपना निजी कार्यालय है, जिसमें सुचारू रूप से कार्य सम्पन्न कराने के लिए तीन द्विभाषी कम्प्यूटर उपलब्ध हैं। प्रकोष्ठ के संचालन के लिए एक संपर्क अधिकारी (हिन्दी), एक तकनीकी अधीक्षक (अनुवाद), एक कनि. तक. अधीक्षक (अनुवाद) एवं एक उप प्रबंधक (परियोजना) तथा एक अटेन्डेन्ट है। यह प्रकोष्ठ संस्थान के कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सदैव प्रयासरत रहता है। प्रकोष्ठ की योजना निर्धारण तथा कार्य–निष्पादन में दिशा–निर्देशन के लिए संस्थान के निदेशक द्वारा 'संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति' का गठन किया गया है। संस्थान में वर्षभर हिन्दी का वातावरण बनाए रखने के लिए प्रकोष्ठ नई–नई गतिविधियाँ जैसे–हिन्दी दिवस/हिन्दी कार्यशालाएं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों आदि का अयोजन करता रहता है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के दिशा–निर्देशानुसार सितम्बर माह में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसी संदर्भ में अगस्त–सितम्बर माह 2015 के अंतर्गत हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसके पश्चात 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। हिन्दी दिवस समारोह में 34 विजेताओं को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान की प्रशासनिक इकाईयों से निकलने वाले समस्त कार्यालय आदेशों, परिपत्रों, सूचनाओं, वार्षिक प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखा प्रतिवेदन के अनुवाद का कार्य किया जाता है।

इसके अतिरिक्त संस्थान के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए हिन्दी टाइपिंग एवं हिन्दीतर भाषा–भाषी कर्मचारियों के लिए प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।
राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक हिंदी समाचार पत्र 'सजग' तथा अर्द्धवार्षिक हिन्दी पत्रिका 'अंतस' का प्रकाशन किया जा रहा है। मंत्रालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को हिन्दी की प्रगति संबंधी तिमाही एवं छमाही रिपोर्ट समय पर भेजी जाती हैं ।

मीडिया टेक्नोलॉजी केन्द्र

मीडिया टेक्नॉलॉजी केन्द्र' प्रोत्साहन की भावना को विकसित करने तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए इच्छुक प्रतिभाओं की खोज करने का एक प्रयास है । केन्द्र का उद्देश्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थियों के लिए अपनी सृजनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए उन्हें एक सार्थक मंच प्रदान करना है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी तकनीकी एवं वैज्ञानिक शिक्षा का आदान प्रदान कर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें।

एनपीटीईएल

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, समस्त आईआईटी एवं आईएससी बंगलौर का एक संयुक्त उपक्रम है। इस उपक्रम का उद्देश्य हर व्यक्ति तक ज्ञान पहुँचाना है । इसके अतिरिक्त ज्ञान की उस खाई (अंतर) को भी भरना है जो उच्च शिक्षण संस्थान जैसे IITs/IISc और सरकार द्वारा पोषित देश के अन्य शिक्षण संस्थानों या विश्वविद्यालय के बीच में कायम है।
प्रथम चरण में 80 पाठ्यक्रमों को विकसित किये जाने की योजना है हालाँकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा अभियांत्रिकी, विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन जैसे विषयों को शामिल करते हुए 138 पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक विकसित किया जा चुका है। वर्ष 2014 से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की मदद से ऑन लाइन सर्टिफिकेशन कोर्सस (MOOCs) को विकसित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा जनवरी–अप्रैल 2016 के मध्य 18 ऑन लाइन सर्टिफिकेशन कोर्सज (MOOCs) को विकसित कर लिया गया है। इसके साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर जनवरी 2015 तक पचास ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्सस (MOOCs) को विकसित करने का ऐतिहासिक कार्य पूरा कर चुका है। आगामी सत्र जो 18 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है तक अन्य 30 ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्सज (MOOCs) को विकसित कर लिया जाएगा (इसमें 25 नये कोर्स होगें, 4 री–रन कोर्स होगें जबकि 1 कोर्स री–पर्पज्ड होगा) उल्लेखनीय है कि उक्त सभी पाठ्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के संकाय सदस्यों द्वारा विकसित किये जा रहे हैं। जनवरी 2016 से 38 कॉलेजों को हमारे कार्यालय द्वारा

एनपीटीईएल पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जा चुके हैं । जनवरी 2016 से उक्त 38 पाठ्यक्रमों को विकसित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से 3,58,65000 (तीन करोड़ अठावन लाख तथा पैसठ हजार) रूपये की धन राशि प्राप्त हो चुकी है । इस सबके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा 11 पाठ्यक्रमों के लिए मूल प्रतिलिपि तैयार कर ली गई है। संस्थान की योजना वर्ष के अन्दर 6 और पाठ्यक्रमों की मूल प्रतिलिपियाँ तैयार करने की है।

भा.प्रौ.स. कानपुर वेबसाइट

वर्तमान में मीडिया टेक्नोलॉजी केन्द्र की एक टीम भा.प्रौ.स. कानपुर की लगभग सभी उप वेबसाइटों को उन्नत करने में जुटी हुई है । इन वेबसाइटों में सभी विभागों, अधिष्ठाताओं, केन्द्रों, प्रयोगशालाओं एवं संस्थान के अन्दर संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की वेबसाइट शामिल हैं। गत वर्ष इस टीम ने संस्थान की लगभग समस्त महत्वपूर्ण वेबसाइटों को पुनः विकसित करके उनको प्रचालित करने का कार्य किया है। ये वेबसाइटें ग्राफिक इंटरफेस एवं उपयोगिता के मामले में बेहतर हैं । इस परियोजना का उद्देश्य संस्थान से जुड़ी सूचनाओं को उपयुक्त तरीके से व्यवस्थित करने तथा वेबसाइट के माध्यम से संस्थान की ख्याति को समाज के सामने लाना है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट से जुड़ी टीम संस्थान द्वारा संचालित प्रत्येक वेबसाइट को नया लुक देने में जुटी है। टीम द्वारा हाल ही में सक्रिय की गई कुछ वेबसाइटों में स्वास्थ्य केन्द्र, पदार्थ विज्ञान पाठ्यक्रम, क्रय एवं भण्डारण अनुभाग की वेबसाइट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित विभागों/अनुभागों से अनुमोदन मिलने के पश्चात कुछ और वेबसाइट भी लॉंच होने के लिए तैयार हैं । इन वेबसाइटों में संपदा कार्यालय, संस्थान निर्माण विभाग, अधिष्ठाता अनुसंधान एवं विकास की इंटरानेट वेबसाइट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यह टीम राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से संस्थान के प्रत्येक विभाग की हिन्दी वेबसाइट को भी तैयार करने में जुटी है। संस्थान की मुख्य वेबसाइट एवं स्वास्थ्य केन्द्र की वेबसाइट हिन्दी भाषा में लॉंच की जा चुकी है।

90.4. एफ एम सामुदायिक रेडियो केन्द्र

इस रेडियो केन्द्र का उद्देश्य संस्थान एवं संस्थान के बाहर के समुदाय को एक जुट बनाए रखने का है। ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्रों के विकास हेतु सामाजिक एवं शैक्षणिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की एक पहल है । गैर–लाभ एवं गैर व्यावसायिक केन्द्र के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सामुदायिक रेडियों केन्द्र का उद्देश्य संस्थान परिसरवासियों को विद्यार्थियों से जोड़ने, कृषि, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा शिक्षा पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक बनाने एवं स्थानीय लोगों को रेडियो केन्द्र के रूप में एक मंच प्रदान करके अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है ।

जहाँ तक संभव है हम संस्थान परिसरवासियों, विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को अपने कार्यक्रमों में शामिल करने का प्रयास करते हैं तथा उन्हें ई–मेल, नियमित रेडियो घोषणा (प्रचार) तथा क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से जोड़ते हैं। विषयों एवं योजनाओं पर परिचर्चाएं आयोजित की जाती हैं तथा जैसे ही इन विचारों/योजनाओं की धारणाओं को अंतिम रूप दे दिया जाता है तो दल एवं स्वयंसेवक एक साथ कार्य करना शुरू कर देते हैं। आस–पास के क्षेत्रों के लोग भी आगे आ रहे हैं तथा संचार के इस माध्यम का प्रभावी तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। ई–मेल तथा क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से लोगों के सुझाव प्राप्त हो रहे हैं । हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों को अपने साथ जोड़ कर अच्छे एवं सार्थक कार्यक्रम प्रस्तुत करना है

वर्ष 2014–2015 के दौरान आईआईटी कम्यूनिटी रेडियो द्वारा 'नया सवेरा' नामक एक श्रंखला प्रसारित की गई है। इस कार्यक्रम के तहत स्तनपान, कुपोषण, ओआरएस साल्यूशन जैसे विषयों पर डाक्टर्स की सहायता से चाइल्ड हेल्थ पर कार्यक्रम प्रसारित किये गये हैं। परिसर समुदाय की मांग पर इस केन्द्र ने आपका साथ आपकी बात, ओल्ड इज गोल्ड तथा बालीवुड ब्रेक जैसे संगीत कार्यक्रमों को भी प्रसारित किया है। विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को प्रेरित करने के लिए ख्याति प्राप्त लोगों के साक्षात्कार भी प्रसारित किये गये हैं। इन कार्यक्रमों में परिसरवासियों की भागीदारी बढ़ी है। स्टोरी टाइम एवं नन्हें–मुन्नों के लिए कार्यक्रम कुछ ऐसे कार्यक्रम थे जिसमें परिसरवासियों के बच्चों हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा की कहानियों को शामिल किया गया। गतवर्षों की तरह इस वर्ष भी परिसरवासियों को रेडियो की महत्ता समझाने के लिए 'रेडियो जॉकी वर्कशाप' का आयोजन किया गया। इस केन्द्र का उद्देश्य श्रोताओं के मन और मस्तिष्क में रेडियो के प्रति रूचि जाग्रत करना है। इसके अतिरिक्त परिसरवासियों को कम्यूनिटी रेडियो के मूल उद्देश्य के बारे में भी जागरूक कराना है ।

डिजाइन कार्यक्रम एवं एचएसएस

कम्यूनिकेशन डिजाइन के विद्यार्थी इस केन्द्र के संसाधनों से शैक्षणिक ताल्लुक रखते हैं जिसमें विद्यार्थी सामाजिक जागरूकता से संबंधित विज्ञापनों एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। इसके अतिरिक्त एचएसएस लेवेल 1 एवं 2 के अंडर–ग्रेजुएट विद्यार्थी भी हैं जो वीडियो एसाइनमेंट पर कार्य करने के लिए इन संसाधनों का प्रयोग करते है।

प्रोडक्शन स्टूडियो एवं एडिटिंग फैसिलिटी का आधुनिकीकरण

हमने अपने कार्यक्रमों को शूट करने के लिए मल्टी कैमरों का प्रयोग किया है। यह तीन कैमरों वाला सेट है जो दृश्यों को एक साथ रिकार्ड करता है। सामान्यतः दो बाह्य कैमरे किसी भी समय सेट पर क्लोज शॉट को शूट कर सकते हैं जबकि केन्द्रीय कैमरा समग्र एक्शन को कैप्चर करने के लिए वाइडर मास्टर शॉट को शूट करता है । इस प्रकार से ऐक्शन को शुरू एवं बंद किए बिना ही मल्टी शॉट को एक बार में लिया जा सकता है । प्रोडक्शन फ्लोर के कैमरे से लिये गए संजीव ऑडियो एवं वीडियो, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम में भेजे जाते हैं जो डीवी रिकार्डर पर

वीडियो स्विचर एवं ऑडियो मिक्स्चर एवं एच डी रिकार्डर के माध्यम से ओरिजनल, हाई क्वॉलिटी पर मल्टीपल फुटेज की मिक्सिंग एवं स्विचिंग सुनिश्चित करती है । डिजिटाइज्ड वीडियो एवं आडियो रिकार्डर के माध्यम से डिजिटल टेप हार्ड डिस्क में लाई जाती है । वाइड रेंज के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके कम्प्यूटर द्वारा इसका संपादन कार्य किया जाता है। टेप टू टेप संपादन के लाइनर तरीके की तुलना में नॉन लाइनर संपादन, फिल्म संपादन में शिथिलता प्रदान करता है । नॉन लाइनर संपादन प्लेटफॉर्म कई विकल्प प्रदान करता है तथा वीडियो क्लिप, ऑडियो ट्रैक, ग्रैफिक्स तथा प्रजेन्टेबल पैकेज में अन्य सामग्री को एकत्रित करने के लिए प्रभावित करता है । जब एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाती है तो संपादित फुटेज को फिर से रिकार्ड या डिस्क किया जाता है तथा फिर उसे ग्राहक के पास भेजा जाता है। एनपीटीईएल के तत्वावधान में निर्मित व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग अब संस्थान के विद्यार्थियों के लाभ को ध्यान में रखते हुए स्ट्रीमिंग स्वरूप में तैयार की जा रही है।

टीम के सदस्यों का सहयोग एवं उनके द्वारा किये गये समकालिक कार्य नए आयामों में शिक्षा उपलब्ध कराने तथा उनसे जुड़े उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में हमारे लिए प्रेरणा देने का कार्य करते हैं।

संस्थान अभिलेखागार

इस इकाई ने अभी तक अधिष्ठाता संकाय कार्य से प्राप्त संकाय सदस्यों से संबंधित समस्त दस्तावजों को स्कैन करके उनको संरक्षित करने का कार्य पूर्ण कर लिया है । अभिलेखागार समिति के निर्णयानुसार अब इस इकाई द्वारा कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त कर्मचारियों से संबंधित निम्नलिखित दस्तावेजों (जिनमें प्रारंभिक जीवन वृत, नियुक्ति पत्र, उत्तरवर्ती पदोन्नति एवं महत्वपूर्ण अवार्ड आदि से संबंधित दस्तावेज शामिल हैं) को संरक्षित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

अवसंरचना एवं योजना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के उपलब्ध ढाँचे का अधिक प्रभावी ढंग से रखरखाव करने (जो हाल के कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है) तथा भविष्य में किए जाने वाले निर्माण कार्यों की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान के संचालक मण्डल द्वारा अगस्त 2014 में आयोजित अपनी बैठक में अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना के गठन का निर्णय लिया गया। फलस्वरूप सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर ओंकार दीक्षित ने दिनांक 1 अगस्त 2014 को अधिष्ठाता के रूप में इसका कार्यभार संभाला। सिविल अभियांत्रिकी विभाग के सह–प्राध्यापक डा समित रे चौधरी को एसोसिऐट डीन फार फिजिकल इन्फ्रास्टेक्ट्रेचर (ADPI) के रूप में नियुक्त किया गया । यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफसर आशीष दत्ता को एसोसिऐट डीन फार डिजिटल इन्फ्रास्ट्रेक्चर (ADDI) के रूप में नियुक्त किया गया है । अब प्रोफेसर आशीष दत्ता के स्थान पर प्रोफेसर वाय एन सिंह को एसोसिऐट डीन फार डिजिटल इन्फ्रास्ट्रेक्चर (ADDI) के रूप में नियुक्त किया गया है । उल्लेखनीय है कि उक्त सह अधिष्ठाता, अधिष्ठाता अवसंरचना एवं योजना के कार्यालय के कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में मदद करेंगे। अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना का कार्यालय संकाय भवन स्थित कक्ष संख्या 251, 253 तथा 280 में मौजूद है।

संगठनात्मक ढाँचा

फिजिकल तथा इन्फ्रास्ट्रेक्चर से जुड़ी हुई विभिन्न इकाईयाँ जैसे कंप्यूटर सेंटर, संस्थान निर्माण विभाग,आफिस आटोमेशन, विजिटर हॉस्टल तथा संबंधित सुविधाएं अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना द्वारा निर्देशित किये जाते हैं। अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना के कार्यालय ने विभिन्न विभागों एवं अनुभागों की कार्य प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई नीतियाँ बनाई हैं। कार्यालय द्वारा अपनाई गई नीतियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रेक्चकर एवं प्लानिंग से संबंधित दस्तावेजों के रखरखाव की नीतिः

संस्थान में मौजूदा इन्फ्रास्ट्रेक्चर तथा भविष्य में निर्मित होने वाले इन्फ्रास्ट्रेक्चर से संबंधित समस्त दस्तावेजों को अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना के केन्द्रीय सर्वर पर आर्काइव किया जाएगा।

संस्थान के अन्दर 'कन्सट्रेक्शन प्रोजेक्टस एण्ड स्पेस' के लिए एक व्यापक डेटाबेस की स्थापना की गई है।

संस्थान निर्माण विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई आर्काइव कन्सट्रेक्शन एक्टिविटीज के लिए 'स्ट्रेक्टचर्ड फ्रेमवर्क' की स्थापना की जाएगी । वांछित दस्तावेजों में डिजाइन डाक्यूमेंट, मैप्स, यूटिलिटी नेटवर्क इन जियोस्पेशियल इनवायरनमेंट, आल रिलिवेन्ट ड्राइंग,कास्ट एस्टिमेट एण्ड प्रोजेक्टस शेडयूल आदि शामिल होगें।

सभी भवनों एवं ढाँचों के लिए भू–संदर्भित योजना का सृजन करना तथा भू–सदर्भित डेटाबेस का निर्माण करना।

संस्थान निर्माण विभाग द्वारा अंकेक्षित विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के मध्य वर्क स्पेस के बेहतर वितरण एवं आवंटन का रखरखाव ।

इसका संकलन एव विश्लेषण अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना के कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

जीर्णोद्धार के दौरान निकलने वाले अप्रयुक्त मलबे की निष्पादन नीतिः

इस योजना के तहत ग्रीन सैल की सलाह के अनुसार परिसर को साफ–सुथरा एवं हरा–भरा रखने की नीति पर सतत रूप से कार्य किया जाता है । इस नीति के तहत संस्थान परिसर में जहाँ कहीं भी निर्माण

कार्य चल रहा होता है वहाँ से निकलने वाले मलबे को सही एवं सुरक्षित स्थान पर ले जाकर ठिकाने लगाया जाता है ताकि इस मलबे की वजह से संस्थान परिसर मे कहीं पर गंदगी या प्रदूषण न फैलें।

सड़क, फुटपाथ जैसे निर्माण स्थलों पर इस मलबे का संस्थान परिसर में पुनः प्रयोग करने का प्रयास किया जाता है।

बेहतर पर्यावरण अनुकूल स्पेस प्लानिंग के तहत कैंपस के आस–पास पुराने क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए खंभों को लगाने का कार्य ।

एनर्जी इफिशन्सी लाइटिंग एवं अन्य विद्युत संरक्षण उपायों को संस्थान में प्रारंभ कर दिया गया है।

संस्थान में यातायात सुरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से कई उपायों पर अमल किया जा रहा है। इन उपायों के तहत रेज्ड पेवमेंट मार्कर, स्पीड ब्रेकर, अंधे मोड़ पर कर्व्ड मिरर, ब्राईट एल ई डी लाइट्स को लगा दिया गया है।

संस्थान के अन्दर समस्त शौचालयों की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उत्तम योजना को लागू करके संस्थान के अन्दर उपलब्ध वर्तमान भवनों की दशा मे सुधार लाने के लिए सतत प्रयास किये जा रहे हैं ।

अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना कार्यालय द्वारा कार्यान्वित की गई कुछ प्रमुख प्रशासनिक योजनाएं।

कार्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में नवीनीकरण तथा नये निर्माण कार्य आदि से संबंधित आवेदनों पर कार्य करने के लिए एक स्ट्रेक्चर्ड योजना का शुभारंभ ।

यूनिक रिफरेंस द्वारा समर्थित एसेस्ट आधारित ट्रैकिंग जिसके माध्यम से आज तक इन्डिविजूअल कैंपस अस्सेट पर हुए व्यय का पता लगाने में मदद मिलेगी ।
नये भवनों की आवश्यकता एवं लाइफ साइकिल कास्ट अस्सेमेन्टस से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहयोग उपलब्ध कराना।
शुरू से लेकर आखिर तक निर्माण कार्यों का पता लगाने तथा अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना कार्यालय के तहत इन्फ्रास्ट्रेक्चर यूनिटस के बेहतर संचालन के लिए उपभोक्ताओं से सुझाव एकत्र करनें मे मदद करना ।

यह सुविधा इस वर्ष के अंत तक पूरी तरह से स्व चालित हो जाएगी तथा उम्मीद की जा रही है कि इसके पश्चात संस्थान में कहीं पर भी हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का आसानी से पता लगाया जा सकेगा।

समस्त निर्माण गतिविधियाँ (योजनागत/जारी/वर्तमान भवनों का रखरखाव) की निगरानी एवं नियंत्रण तथा अन्य इन्फ्रास्ट्रेक्चर इकाईयाँ।

इन्फ्रास्टेक्टर यूनिटस के निर्माण एवं रखरखाव से संबंधित तकनीकी दस्तावेज की अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जाँच की जाती है तथा निदेशक, उपनिदेशक द्वारा वित्तीय मंजूरी मिलने से पूर्व एसोसिऐट डीन फार फिजिकल इन्फ्रास्टेक्ट्रेचर/अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना कार्यालय द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जाता है।

- अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं योजना कार्यालय द्वारा ठेकेदारों एवं बाहरी एजेंसियों से गुणवत्तापूर्ण कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित कराने के लिए उपलब्ध प्रशासनिक एवं निर्माण से संबंधित कांट्रेक्ट मैनेजमेंट के लिए भी सहयोग प्रदान कराया जाता है।

जून 2016 तक पूरे किये गये अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का विवरण इस प्रकार से है।

- छात्रवास संख्या 12 के ब्लाक ए एवं बी का निर्माण । यह छः मजिला भवन है तथा इसमें कुल छः ब्लाक उपलब्ध हैं। प्रत्येक छात्रवास में 24 डब्ल सीटेड रूम तथा 52 सिंगल सीटेड रूम हैं (प्रत्येक ब्लाक में 100 सीट्स) 4 डब्ल सीटेड गेस्ट रूम की व्यवस्था है। किचन एवं वर्कर रूम के साथ 300 विद्यार्थियों के लिए डायनिंग हाल की व्यवस्था की गई है। छात्रवास के अन्दर टी वी रूम, टेबल टेनिस रूम, लाइब्रेरी रूम, कम्प्यूटर रूम, मल्टी पर्पज हाल कैन्टीन तथा तीन दुकानें हैं। प्रत्येक ब्लाक में एक पैसेन्जर लिफ्ट तथा दो ब्लाक के बीच एक पैसेन्जर बेड लिफ्ट के साथ स्ट्रेचर भी दिया गया है। फायर फाइटिंग के लिए वेट राइजर भी दिया गया है।

- 48 फ्लैट्स वाले मल्टी स्टोरी आवासीय अपार्टमेंट का निर्माण
इस भवन में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 6 फ्लोर्स हैं । यह सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित किये गये हैं । प्रत्येक फ्लोर पर प्रत्येक ब्लाक में चार फ्लैटस् दिये गये हैं । प्रत्येक फ्लैटस् में तीन बेडरूम तथा बालकनी तथा दो टॉइलट्स दिये गये हैं जिनमें से एक टॉइलट्स मास्टर बेड रूम से जुड़ा हुआ है । प्रत्येक फ्लैट्स में किचन विद स्टोर एण्ड ए ड्राइंग एण्ड डायनिंग रूम एवं स्टैडी रूम भी दिया गया है। प्रत्येक ब्लाक में एक पैसेन्जर लिफ्ट दी गई है । इन दो लिफ्ट में से एक पैसेन्जर लिफ्ट में स्ट्रेचर होगा । चौथे फ्लोर पर एस्थेटिक तथा यूटिलिटी को ध्यान में रखते हुए एक प्रोजेक्टिड बालकनी दी गई है। इस भवन में आटोमैटिक फायर अलार्म सिस्टम, वेट राइजर फार फायर फाइटिंग तथा फायर स्कैप स्टेयरकैस जैसी सुविधाएं दी गई हैं। उर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए इस भवन में आवश्कतानुसार आउटर वाल्स कैविटी, ओवरडैक अप टू द एक्सटेन्ट पोसीबल, वाटर सेविंग प्लमिंग एण्ड सैनिटरी फिक्चर्स, रि–साइकिल्ड वाटर फार फ्लैसिंग एवं एनर्जी सेविंग एलईडी लाइटिंग फिक्चर्स आदि की सुविधाएं भी दी गई हैं।

- महिला छात्रावास का निर्माण (दूसरा चरण) दृ महिला छात्रावास का निर्माण कार्य दो चरणों में किया जाना है। पहले चरण में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 6 फ्लोर्स हैं । यह सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित किये गये हैं । इसमें 164 डब्ल सीटेड रूम होगें । दूसरे चरण में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 7 फ्लोर्स होगें । यह सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित निर्मित किये जा रहे हैं जिसमें कुल 419 सिंगल सीटेड रूम होगें । 4 डब्ल सीटेड तथा दो सिंगल सीटेड गेस्ट रूम की व्यवस्था भी की गई है। इस भवन में कामन एरिया ब्लाक भी होगा जिसके अन्दर ग्राउन्ड फ्लोर सहित दो मंजिल होगें । इसमें डायनिंग हाल, किचन एरिया विद स्टोर, स्टोर एवं टी टी हाल, लाइब्रेरी, पार्लर की दुकान के अतिरिक्त अन्य चार दुकानें और भी होगीं ।

- पशुघर का निर्माण इसमें ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 2 मंजिल हैं । सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित किये गये हैं । इस भवन में कुल 12 कमरें हैं । इस भवन में ड्रटी एवं क्लीन कोरिडोर को

अलग करने, वाश एवं आटोक्लैव रूम तथा प्रत्येक फ्लोर पर बिहैव्यिरल रूम भी दिया गया है।

➢ टाइप टू मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट (46 फ्लैट्स) का निर्माण
इस भवन में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 7 फ्लोर्स हैं । यह सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित किये गये हैं । इस भवन में कुल 56 फ्लैट्स होगें । ग्राउन्ड फ्लोर पर पार्किंग, इलेक्ट्रिक रूम तथा बच्चों के खेलने का लम्बा चौड़ा एरिया होगा । प्रत्येक फ्लैट्स में दो बेडरूम, ड्राइंगध्डायनिंग रूम, दो टायलट, किचन तथा यूटिलिटी बालकनी होगी।

➢ अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी हाउसिंग सुविधा का निर्माण
इस भवन में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 5 फ्लोर्स हैं। इस भवन में लड़कों के लिए 55 तथा लड़कियों के लिए 30 कमरे हैं । इसके अतिरिक्त कपल के लिए 18 स्टूडियों अपार्टमेंट भी हैं।

➢ फ्लैक्सिबल इलेक्ट्रानिक्स सेन्टर का निर्माणः इस भवन में ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 7 फ्लोर्स बनाने की योजना थी। यह सभी फ्लोर्स आरसीसी सामग्री से निर्मित किये गये हैं । इस भवन में नेशनल एयरसोल फैसिलिटी तथा एन ई टी प्रोग्राम जैसी सुविधाएं होगी । बजट की कमी के कारण अब नेशनल एयरसोल फैसिलिटी भवन को ग्राउन्ड फ्लोअर सहित कुल 3 फ्लोर्स का बनाया जा रहा है ।

➢ संकाय भवन की स्ट्रेक्चरल रिपेयरिंग एण्ड एक्सटर्नल पेन्टिंग
संकाय भवन संस्थान की आत्मा है । यह भवन काफी पुराना है जिसके फलस्वरूप अब यह भवन बाहर से कमजोर नजर आने लगा है। इस भवन की उम्र को बढ़ाने के लिए इसके बाह्य ढाँचे की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

➢ नोयडा स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के एक्सटेंशन केन्द्र के फैसिलिटेशन एवं सर्विस ब्लाक का निर्माण । इस नये भवन में इलेक्ट्रिकल वायरिंग की आवश्यकता भी है।

➢ विभिन्न स्थलों पर डी जी सेट की स्थापना।

➢ फैकल्टी अपार्टमेंट के नजदीक नये 11टध्433ट सब स्टेशन की स्थापना ।

➢ वेस्टर्न लैब स्थित कक्ष संख्या 302 एवं 304 में केन्द्रीय चिल्ड वाटर सिस्टम के माध्यम से वातानुकूलन की सुविधा ।

➢ लगभग 20 साल से भी ज्यादा पुरानी 100 विन्डो ए सी का रिप्लैस्मन्ट

➢ एसीईएस भवन के थर्ड फ्लोर पर स्थित खराव एएचयू के स्थान पर नये एएचयू 1800 सीएफएम केपैसिटी का रिप्लैस्मन्ट । इस सुविधा को बायबैक के तहत खरीदा गया है।

संरक्षा प्रतिवेदन

संस्थान कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए संरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों को संचालितध्आयोजित किया गया है ।

संरक्षा अंकेक्षण
संस्थान की संरक्षा इकाई ने संस्थान स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं कार्यालयों में विद्युत, अग्नि, मैकेनिकल, सिविल,निर्माण एवं कैमिकल सेफ्टी से संबंधित असुरक्षित जगहों का पता लगाने का कार्य किया है । यह इकाई वर्ष के दौरान लगभग ऐसी 106 जगहों का पता लगाने में कामयाब हुई है।

संरक्षा प्रशिक्षण
लैबोरेट्री सेफ्टी प्रैक्टिस, फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल सेफ्टी जैसे विषयों पर समय–समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है । वर्ष के दौरान लगभग 210 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

दुर्घटना/ घटना की जाँच एवं उसकी रिपोर्ट
संरक्षा इकाई ने संस्थान में जहाँ कहीं भी छोटी या बड़ी घटना घटित हुई है उसकी उचित जाँच की है । तथा जाँच के पश्चात संबंधित विभाग, अनुभाग को भविष्य मे इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए उचित सलाह भी दी है।

संरक्षा उपकरण
संस्थान सुरक्षा के प्रति अत्यन्त गंभीर है तथा इस गंभीरता को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा शोध प्रयोगशालाओं में कार्य करने वाले कर्मचारियों को संरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये हैं जिसमें फायर इक्स्टिंगग्विशर, फायर डिटेक्शन सिस्टम तथा अन्य संरक्षा उपकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान में कार्य करने वाले समस्त ठेकेदारों को भी सख्ती से सलाह दी गई है कि वे भी अपने यहाँ कार्य करने वाले कर्मियों को संरक्षा उपकरण उपलब्ध करायें

माडीफिकेशन/ नई फैसेलिटी
संरक्षा इकाई द्वारा माडीफिकेशन/नई फैसेलिटी का संरक्षा की दृष्टि से अध्ययन किया गया है। संरक्षा की दृष्टि से हरी झण्डी मिलने के पश्चात ही इन माडीफिकेशन/नई फैसेलिटी पर कार्य किया जाएगा।